(ख) यदि हां, तो यह सिल्क किस दर पर आयात किया जा रहा है; और हमारे देश में कच्चे रेशम (रॉ-सिल्क) का बाजार मूल्य क्या है;

(ग) क्या यह भी सच है कि घरेलू कच्चे रेशम (रॉ-सिल्क) उत्पादकों ने इस आयात का विरोध किया है; और

(घ) यदि हां, तो इस पर सरकार की प्रतिक्रिया क्या है?

वस्त्र मंत्री (श्री काशी राम राणा): (क) से (घ); जी नहीं। केन्द्रीय सरकार ने चीन से अपरिष्कृत रेशम का आयात करने का निर्णय नहीं लिया है। विद्यमान नीति के अनुसार निर्यातकों की मांग को पूरा करने के लिए सरकार ने शुल्क मुक्त योजना के अंतर्गत अपरिष्कृत रेशम का आयात करने की अनुमति दी है, जहां निर्यातकों को अपरिष्कृत रेशम को शुल्क मुक्त लाने की अनुमति है, जो कि निर्यात दायित्व से जुड़ी है। इसके अतिरिक्त, अक्तूबर, 1998 में विशेष आयात लाइसेंस (एस०आई०एल०) के अंतर्गत ग्रेड 2ए और उससे अधिक की शहतूती अपरिष्कृत रेशम का आयात करने की अनुमति देने का निर्णय इस शर्त पर लिया गया है कि अभ्यर्पित एस०आई०एल० का मूल्य आयातित मद के मूल्य से तिगुना होगा। उच्च ग्रेड के रेशम के आयात की अनुमति देने के निर्णय के विरूद्ध रेशम उपजकर्ताओं के विशेषकर कर्नाटक के एक वर्ग से अभ्यावेदन प्राप्त हुए हैं क्योंकि वे ऐसा महसूस करते हैं कि इसका घरेलू रेशम की कीमतों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। अभी तक ऐसा कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ा है। मंत्रालय स्थिति पर कडी निगरानी रखे हुए है।

Per Capita Availability of Cloth

1703. SHRI E. BALANANDAN: Will the Minister of TEXTILES be pleased to state the per capita availability of Cloth during the Seventh and Eighth Five Year Plan period, Plan-wise?

THE MINISTER OF TEXTILES (SHRI KASHIRAM RANA): The details of per capita availability of Cloth during the Seventh and Eighth Five Year Plan period are given below:-

Per Capita Availability of Cloth

Seventh Five Year Plan	(in Sq. mts.)
1985-86	21.55
1986-87	21.84
1987-88	20.96
1988-89	23.00
1989-90	22.65
Eighth Five Year Plan	
1992-93	24.50
1993-94	26.22
1994-95	25.98
1995-96	27.99
1996-97	29.30

Difficult situation faced by Silk Industry

1704. SHRI SATISHCHANDRA SITARAM PRADHAN: Will the Minister of TEXTILE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the silk industry of the country is facing difficult situation;

(b) if so, what are the reasons therefor; and

(c) what measures Government proposes to take?

THE MINISTER OF TEXTILES (SHRI KASHIRAM RANA): (a) and (b) The silk industry of the country works in a situation where there is a demand and supply gap. The gap in demand, is mostly for powerloom warp quality mulberry silk and towards this end imports have been facilitated. In respect of the non-mulberry sector, except in Eri production, rearing in the case of tasar & muga silk is conducted out doors, in view of which there is instability in production. The difficulties that the silk industry is facing can be traced largely to the decentralised nature of the industry, inadequate quality seed and slow absorption of the technologies in respect of rearing and reeling due to the small actors who are largely dispersed. Quantity shortage in respect of raw silk and wide variation in quality are the concomitant difficulties.

(c) The Research and development institutes of the Central Silk Board have developed technologies to improve the quality of silk and increase the productivity through generation of superior technologies for food plant cultivation, silkworm rearing and in